09khel100.qxd 08-10-2026 22:48 Page 1

बदलाव के साथ उतर सकता है भारत

संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी को लेकर असमंजस, भारत-वेस्टइण्डीज के बीच दूसरा टी-२० आज

रांची (एजेन्सियां)। संजू सैमसन को छोड़कर भारत के सभी बल्लेबाज फार्म में हैं और इसलिए टीम प्रबंधन शुक्रवार को वेस्टइण्डीज के खिलाफ यहां होने दूसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में युवा सनसनी और लोकल ब्वाय वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेज सकता है। भारतीय टीम यहां जीत हासिल करने पर पांच मैचों की शृंखला में २-० की बढ़त बना लेगी लेकिन उसके लिए सैमसन का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। सैमसन पिछली चार पारियों में केवल २९ रन बना पाये हैं जिनमें उनका उच्चतम स्कोर ११ है। उनकी असफलता के कारण भारत को इन मैच में अच्छी शुरुआत नहीं मिल पाई लेकिन पिछले मैच में टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में मध्यक्रम ने सैमसन की असफलता का टीम पर खास असर नहीं पड़ने दिया। अय्यर ने अपने करियर के ६८वें मैच में अपना पहला टी-२० अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। ऐसे में सूर्यवंशी को एक और मौका मिल सकता है जिन्होंने अब तक मिले अवसरों पर यह साबित कर दिया कि वह खेल के छोटे प्रारूप के लिए उपयुक्त बल्लेबाज हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पास कई तरह के शाट हैं और वह अपने आक्रामक अंदाज से विपक्षी टीम को शुरू में ही दबाव में ला सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन ने हालांकि इस १५ वर्षीय बल्लेबाज को मौका देने के बजाय अब तक अभिषेक और सैमसन की स्थापित सलामी जोड़ी का ही समर्थन किया है। जापान में एशियाई खेलों में सूर्यवंशी और अभिषेक ने ही पारी का आगाज किया था और सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस तरह से टीम प्रबंधन ने सैमसन के प्रति अपना समर्थन जारी रखा लेकिन यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीद पर खरा नहीं उतर पाया है। ऐसे में वेस्टइण्डीज के खिलाफ चल रही पांच मैचों की शृंखला सैमसन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है क्योंकि वह विश्वकप में दिखाये गये अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर लंबे समय तक अपनी जगह बरकरार नहीं रख सकते हैं



लेकिन सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा के बावजूद यह भी जान लिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक अलग ही चीज है। इंगलैण्ड के खिलाफ टी-२० शृंखला में भारत की ०-३ से हार में उन्होंने १४, १३ और १५ रन बनाये। एशियाई खेलों में बिहार के इस बल्लेबाज ने १८ और ३५ रन बनाये। एक युवा खिलाड़ी के लिए यह स्कोर खराब नहीं हैं लेकिन इनसे यह तथ्य भी साबित होता है कि केवल प्रचार के कारण उन्हें शीर्ष स्तर के क्रिकेट में जल्दबाजी में शामिल नहीं किया जा सकता है। इसलिए टीम प्रबंधन सूर्यवंशी को एक और मौका देने से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करेगा। भारत अपनी तेज गेंदबाजी संयोजन में भी बदलाव पर विचार करेगा। लखनऊ में खेले गये पहले टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच के पहले ओवर में ही मयंक यादव न १६ रन लुटा दिए थे। वह बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में भी महंगे साबित हुए। भारत आलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल करने और उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी करवाने के बारे में सोच सकता है, हालांकि एकदिनी शृंखला के दौरान यह प्रयोग खास सफल नहीं रहा था। स्पिन विभाग की बात करें तो कुलदीप यादव के साथ अक्षर पटेल के जुड़ने से टीम को मजबूती मिली है। इन दोनों ने पहले मैच में दो-दो विकेट लिए थे। इसके अलावा युवा आलराउंडर नमन धीर का प्रदर्शन भी भारत के लिए सकारात्मक पहलू है जिन्होंने अपनी आफ स्पिन गेंदबाजी से ३१ रन देकर तीन विकेट लिए थे। वेस्टइण्डीज को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि भारत ने पिछले मैच में उसके १७१ रन के स्कोर को बौना साबित कर दिया था। वेस्टइण्डीज के पास टी-२० के माहिर खिलाड़ियों की कमी नहीं है जिनमें कप्तान शाई होप, शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पावेल, रोस्टन चेज और रोमारियो शेफर्ड शामिल हैं। बल्लेबाजी निश्चित रूप से वेस्टइण्डीज का मजबूत पक्ष है और उसके बल्लेबाजों को कम से कम २२० रन का स्कोर बनाना होगा। गेंदबाजी में उसकी टीम बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन से अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। **भारत**-श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, ईशान किशन, नमन धीर, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, रवि बिश्नोई, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, मयंक यादव। **वेस्टइण्डीज**-शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोटी, कीमो पाल, कामिल पूरन, रोवमैन पावेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

समय-रात्रि सात बजसे।

भुवनेश्वर की वापसी में की अनुभव और फार्म ने मदद

-सितांशु कोटक



रांची (एजेन्सियां)। सहायक कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को यहां कहा कि भुवनेश्वर कुमार के अपार अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्र में उनकी शानदार फार्म ने उन्हें न्यूजीलैण्ड शृंखला के लिए भारत की टी-२० अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस जगह दिलाई है। छत्तीस वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज आखिरी बार नवम्बर २०२२ में न्यूजीलैण्ड शृंखला में भारत के लिए खेले थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की। उन्होंने २०२५ और २०२६ में आरसीबी की लगातार खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इन दो सत्र में ४५ विकेट लिए थे (२०२५ में १७ और २०२६ में २८)। भारतीय टीम वेस्टइण्डीज के खिलाफ जारी पांच मैच की शृंखला के बाद न्यूजीलैण्ड के खिलाफ टी-२० अंतरराष्ट्रीय शृंखला खेलेगी। कोटक ने संकेत दिया कि चयनकर्ताओं को शायद युवा गेंदबाजी ग्रुप में अनुभव जोड़ने की जरूरत महसूस हुई होगी। कोटक ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा खिलाड़ी का चयन चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है लेकिन मैं आपको अपनी सोच के आधार पर जवाब दे सकता हूं। इंगलैण्ड में जब बुमराह आसपास नहीं थे और बहुत सारे युवा गेंदबाज खेल रहे थे तो मुझे व्यक्तिगत रूप से लगा कि आप अनुभव को मात नहीं दे सकते। उन्होंने कहा युवा गेंदबाज अच्छे हैं वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका चयन हो रहा है लेकिन किसी स्तर पर आपको कुछ अनुभव की भी जरूरत होती है। कोटक ने कहा यह एक कारण हो सकता है। दूसरी बात यह है कि भुवनेश्वर पिछले दो सत्र से आईपीएल में बहुत अच्छा कर रहे हैं। इसलिए चयनकर्ताओं ने सोचा होगा कि न्यूजीलैण्ड की परिस्थितियों और बाकी चीजों के लिए निश्चित तौर पर वह अच्छा कर रहे हैं और हमें कुछ अनुभव की जरूरत है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि इसलिए उन्होंने उन्हें चुना होगा। भुवनेश्वर की वापसी ने मोहम्मद शमी को लेकर भी सवाल फिर से खड़े कर दिए हैं जो घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखने के बावजूद मौजूदा टी-२० अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर हैं। शमी आखिरी बार मार्च २०२५ में न्यूजीलैण्ड के खिलाफ चैम्पियंस ट्राफी फाइनल में भारत के लिए खेले थे। वह तब से घरेलू क्रिकेट के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं जिसमें उन्होंने उत्साहजनक प्रदर्शन किए हैं। हालांकि कोटक ने बंगाल के अनुभवी तेज गेंदबाज की संभावित वापसी को लेकर किसी भी अटकल से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा सबसे पहले मैं चयनकर्ता नहीं हूं इसलिए मेरे लिए आपको यह बताना मुश्किल है। लेकिन शमी भी खेल रहे हैं और वह भी अच्छा कर रहे हैं।

एशियाई खेल में प्रदर्शन की समीक्षा करेगा खेल मंत्रालय

बैठक १३ को

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। खेल मंत्रालय १३ अक्तूबर को राष्ट्रीय महासंघों के साथ एक दिवसीय बैठक में हाल में संपन्न एशियाई खेलों में भारत के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा जिसमें फोकस बैडमिण्टन, निशानेबाजी और अथलेटिक्स में कुछ 'अनुभवी' खिलाड़ियों के निराशाजनक प्रदर्शन पर रहेगा। इसके साथ ही 'टारगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम' (टाप्स) के जरिए धनराशि जारी करने की भी फिर से समीक्षा की जायेगी। भारत ने आइची-नागोया खेलों में २१ स्वर्ण सहित ८५ पदक जीते जो हांग्झोउ में पिछले चरण में हासिल किये गये १०६ पदकों से काफी कम था। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने गुरुवार को कहा हमें कम से कम १५० पदक जीतने चाहिये थे और हम जीत भी सकते थे। कुछ अनुभवी खिलाड़ी स्पष्ट रूप से 'कम्फर्ट जोन' में थे और इसका असर उनके प्रदर्शन में दिखा। मंत्रालय १३ अक्तूबर को राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ बैठक में इसकी समीक्षा करेगा। भारत को २०२६ एशियाई खेलों में बैडमिण्टन में सिर्फ एक टीम कांस्य पदक मिला जबकि पिछले खेलों में एक स्वर्ण, एक रजत और कांस्य पदक जीता था। निशानेबाजों (विशेषकर पिस्टल में) का प्रदर्शन अपेक्षाकृत खराब रहा जबकि दोनों खेलों के भारतीय दल में ओलम्पिक पदक विजेता शामिल थे। सूत्र ने कहा यह ताज्जुब की बात है कि ओलम्पिक पदक विजेता एशियाड में पदक नहीं जीत पाये जबकि एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाले भारत के ३१० खिलाड़ियों में से १०६ ने पदक जीते। २३ स्पर्धाओं में करीब ८९ अनुभवी खिलाड़ी नाकाम रहे। बैठक में समीक्षा की जायेगी कि नीति में क्या बदलाव करने की जरूरत है। इतना पैसा खर्च करने के बाद भी कुछ खेलों में अपेक्षित परिणाम क्यो नहीं मिले। अथलेटिक्स में भारत को पिछले एशियाई खेलों में छह स्वर्ण पदक मिले थे जबकि इस बार सिर्फ एक पदक महिला चार गुणा ४०० मीटर रिले टीम हासिल कर सकी। खेलों के दौरान खिलाड़ियों के चोटिल होने को लेकर भी सवाल उठे हैं। अथलेटिक्स में ज्योति याराजी ने चोट के कारण महिलाओं की १०० मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा ही नहीं लिया और त्रिकूद में प्रवीण चित्रावेल पहले प्रयास में ही चोटिल हो गये। वहीं ४०० मीटर बाधादौड़में यशस पलाक्षा अपनी हीटके बीचसे हट गये थे। इसके अलावा एमएमएमें वरूण सान्याल स्पर्धासे पहले अनफिट हो गये। सूत्रने कहा कुछ खिलाड़ी खेलोंमें पहुंचनेके बाद चोटों की घोषणा कर रहे थे। अगर अथलीट चोटिल थे तो वे गये कैसे। उन्हें तैयार करनेमें करोड़ों रुपये खर्च किए गये हैं। टाप्सके जरिये खिलाड़ियोंको मनचाही धनराशि आवंटित करनेकी भी समीक्षा का जिक्र करते हुए सूत्रने कहा टाप्स फंडिंगकी समीक्षा निश्चित तौरपर होगी। टाप्स के खिलाड़ियों को मनचाहे कोचों, विदेश में अभ्यास और हर सुविधा के लिये सरकार ने भारी खर्च किया लेकिन नतीजे अपेक्षित नहीं मिले। उन्होंने कहा टाप्सके तहत नौ स्पर्धाओंके ३४ खिलाड़ियों पर २७ करोड़ रूपयेसे अधिक खर्च हुए लेकिन प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिनमें बैडमिण्टन और निशानेबाजीके प्रमुख खिलाड़ी हैं। खेल मंत्रालयने एशियाई खेलोंसे पहले कहा था कि तीन सालके चक्रमें खिलाड़ियोंको तैयार करनेमें ७०० करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गये थे।

मांडविया ने लांच की नयी जर्सी

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। जापान के आइची-नागोया में होने वाले पैरा एशियाई खेलों से पहले भारतीय दल को गुरुवार को औपचारिक विदाई दी गयी। इस अवसर पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) द्वारा आयोजित समारोह में भारतीय दल की नयी जर्सी लान्च की। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसमें पैरालम्पिक पदक विजेता सिमरन शर्मा, प्रीति पाल और कपिल परमार के अलावा पैरा तीरंदाज राकेश कुमार तथा पैरा पावरलिफ्टर अशोक कुमार सहित कई प्रमुख पैरा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पैरा बैडमिण्टन स्टार प्रमोद भगत को खेलों के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया गया है। पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया, चेयरपर्सन पायल कनोडिया और मुख्य कोच सत्यनारायण भी समारोह में मौजूद थे।

उधार की राइफल से जीता था कांस्य पदक

कोहली के आउट होने पर खाना नहीं खाते थे नाना पाटेकर

नयी दिल्ली(एजेन्सियां)। अपनी दमदार अदाकारी और निभाये गये किरदारों के कारण प्रशंसकों के दिलों में हमेशा के लिए अमर नाना पाटेकर अब इस दुनिया में नहीं हैं। ७५ साल की उम्र में उनका गुरुवार को गोवा में हृदयाघात से निधन हो गया।। अभिनय के अलावा नाना पाटेकर का खेल जगत से भी गहरा लगाव था। वह २००७ में शूटिंग में कांस्य पदक भी जीत चुके थे। इतना ही नहीं विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। नाना पाटेकर महाराष्ट्र की उस टीम का हिस्सा थे जिसने इंदौर के पास महू में हुई नेशनल ३००एम बिग बोर शूटिंग चैम्पियनशिप में कांसे के तमगे पर निशाना साधा था। आधे से ज्यादा प्रतिभागियों से बेहतर प्रदर्शन करके उन्होंने रिनोन्ड शाट का खिताब हासिल किया था। नाना ४९ प्रतिभागियों में १३वें



स्थान पर रहे थे। तब नाना ने कहा था मेरे हिसाब से यह एक बड़ी उपलब्धि है। रनोन्ड शाट का दर्जा मिलने का मतलब है कि नाना बिना ड्यूटी दिए राइफल इम्पोर्ट कर सकते। एक बार मुझे यह नयी राइफल मिल जाय तो मैं यकीन दिलाता हूं कि मैं ६०० में से ५९० प्वाइंट्स का स्कोर करूंगा। महू में नाना ने उधार ली हुई राइफल से ६०० में से ५४९ प्वाइंट्स हासिल किए थे। यह पिछले साल (२००६) के उनके ५१६ के बेस्ट स्कोर से ३३ प्वाइंट ज्यादा था। उनके टीम के साथी सुमित गुप्त ने ५१२ और अशोक पंडित ने ४७६ प्वाइंट बनाये। महाराष्ट्र की टीम दूसरे नंबर पर रही और छत्तीसगढ़ (१५३९) से सिर्फ दो पाइंट पीछे थी। छत्तीसगढ़ की टीम चैम्पियन सर्विसेज (१,७२९) के बाद दूसरे स्थान पर थी। नाना को क्रिकेट का भी शौक था। एक साक्षात्कार में नाना ने कहा था वे अभिनेता नहीं क्रिकेट बनना चाहते थे। दिग्गज एक्टर ने कहा था कि वह बचपन में अच्छे क्रिकेटर थे। भारत-पाकिस्तान मैचके दौरान वह टीवीसे चिपके रहते थे। नानाने बचपनके दिनों को याद करते हुए कहा था उस समय मैं गरीब था। क्रिकेट सीखने के पैसे नहीं थे। मैं शिवाजी पार्क चला जाता था और जो लोग वहां अभ्यास करते थे उनके लिए गेंदबाजी करता था। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। नानाने एक बार कहा था कि अगर विराट जल्दी आउट हो जाते तो उनका खाना खाने का मन नहीं होता था।

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हाकीमें पाकिस्तानकी जगह बंगलादेश

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। जालंधर और मोहाली में २७ अक्तूबर से पांच नवम्बर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्राफी पुरूष हाकी में मेजबान भारत की नजरें एशियाई स्तर पर दबदबा कायम रखने पर लगी होंगी जबकि पाकिस्तान की जगह बांगलादेश को छह टीम के टूर्नामेंट में जगह दी गयी है। हाकी इंडिया के अनुसार छह टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, चीन, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे। पंजाब में लगभग दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिये अंतरराष्ट्रीय हाकी की वापसी हो रही है। जापान के आइची नागोया में हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लास एंजिलिस ओलम्पिक २०२८ के लिये क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम चार बार खिताब जीत चुकी है। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान की भागीदारी का दावा किया था। इस कार्यक्रम में हाकी इंडिया महासचिव भोलानाथ सिंह समेत वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे।

टी-२० दिव्यांग ट्राफीका अनावरण



वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस सेवा संकल्प के तहत शुक्रवार से सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स सिगरा में होनेवाली टी-२० नेशनल दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता की ट्राफी का गुरुवारको भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने एक पांच सितारा होटल में किया। इस मौके पर केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। ट्राफी अनावरण के पश्चात नितिन नबीन ने कहा कि दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं। अवसर मिलनेपर वे अपनी प्रतिभा के दम पर देशका सम्मान बढ़ाते हैं। दिव्यांग खेल भी इसी का हिस्सा है और हम इसे बढ़ावा देनेके लिए कार्य करते रहेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों को खेल से जोड़कर एक समावेशी भारतके निमार्ण का संदेश देना है। इस मौके पर उत्तम ओझा, संजय चौरसिया, वीरभद्र सिंह, पद्मश्री विमल जैन, ट्रविस बदर्स, राहुल गुप्त, रोहित गुप्त, अखिलेश यादव, रोशन द्विवेदी, शशिभूषण त्रिपाठी, रविप्रताप सिंह साजन, चंदन सिंह सिसोदिया आदि मौजूद थे।

विकेटकीपिंग पर काम कर रहे यशस्वी-लाड

मुम्बई (एजेन्सियां)। मुम्बई के कप्तान सिद्धेश लाड ने गुरुवार को यहां बताया कि भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लबाजी और लेग-स्पिन के अलावा 'बैक-अप' कौशल के रूप में विकेटकीपिंग पर काम कर रहे हैं। रणजी ट्राफी २०२६-२७ सत्र से पहले जायसवाल की विकेटकीपिंग पर कड़ी मेहनत करते हुए तस्वीरें सामने आई हैं। यह २४ वर्षीय खिलाड़ी भारतीय टीम के नेट में लेग-स्पिन का भी अभ्यास करता है और कुछ मुकाबलों में गेंदबाजी भी कर चुका है। जायसवाल रविवार से चंडीगढ़ के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होने वाले मुम्बई के रणजी ट्राफी के शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे लेकिन राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण वह दूसरे मैच से आगे उपलब्ध नहीं रहेंगे। लाड ने एक सवाल के जवाब में कहा वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने विकेटकीपिंग का अभ्यास शुरू किया है क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अपने खेल में कुछ और जोड़ना चाहते हैं।

प्रतिभा लम्बे समय तक सफलता की नहीं होती गारंटी

कपिलदेव ने दी वैभव सूर्यवंशी को चेतावनी



नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेहद कम उम्र में अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में खास पहचान बना ली है। १५ साल की उम्र में वह आयु वर्ग क्रिकेट, इंडिया-ए और आईपीएल में अपनी छाप छोड़ने के बाद अब भारतीय टी-२० अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं। हालांकि पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का मानना है कि वैभव के भविष्य को लेकर अभी से बड़े दावे करना जल्दबाजी होगी। वैभव फिलहाल भारतीय टी-२० टीम में नियमित सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के पीछे अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

कपिल देव ने कहा कि वैभव में प्रतिभा जरूर है लेकिन क्रिकेट में केवल प्रतिभा के दम पर लंबे समय तक सफलता की गारंटी नहीं होती। कपिल देव ने कहा अभी बहुत जल्दी है। क्या उसमें क्षमता है हां लेकिन क्रिकेट में ऐसे बहुत से खिलाड़ी रहे हैं, जो बहुत प्रतिभा के साथ आये और फिर धीरे-धीरे गायब हो गये। उन्होंने अपनी बात समझाने के लिए पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली का उदाहरण दिया। कपिल ने कहा विनोद कांबली को देखिए। हम उनके बारे में क्या कहेंगे। कांबली को अपने शुरुआती दौर में भारतीय क्रिकेट का बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज माना जाता था। हालांकि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर उम्मीदों के मुताबिक लंबा और सफल नहीं रहा। कपिल देव इसी उदाहरण के जरिए वैभव को लेकर जल्दबाजी में भविष्यवाणी करने से बचने की सलाह दे रहे हैं।

कपिल ने कहा कि वैभव अभी सिर्फ १५ साल के हैं और उनके सामने काफी लंबा समय है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में यह ज्यादा स्पष्ट होगा कि युवा बल्लेबाज अपने करियर को किस दिशा में ले जाता है। उसे तीन साल और दीजिए फिर हम बात करेंगे। कपिल ने वैभव के खेल के साथ-साथ उनके जीवन और सोच में आने वाले बदलाव को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे खिलाड़ी की जीवनशैली और सोच बदलती है उसी से पता चलता है कि वह आने वाले वर्षों में कैसा प्रदर्शन करेगा।

भारत-पाकिस्तान आठ नवम्बरको होंगे आमने-सामने

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने अंडर-१९ एशिया कप २०२६ का कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट पांच नवम्बर से ओमान में शुरू होगा और १४ नवम्बर को फाइनल खेला जायेगा। इस बार आठ टीमें खिताब के लिए उतरेंगी और सभी मुकाबले मस्कट स्थित ओमान क्रिकेट अकादमी (ओसीए) के ग्राउंड-एक और ग्राउंड-दो पर खेले जायेंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत छह नवम्बर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके दो दिन बाद आठ नवम्बर को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। ग्रुप स्टेज में भारत का आखिरी मैच १० नवंबर को यूएई के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट ५० ओवर प्रारुप में होगा और कुल १५ मुकाबले खेले जायेंगे। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में बांगलादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका और मलयेशिया शामिल हैं। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पांच नवम्बर को श्रीलंका और मलयेशिया के बीच होगा। इसी दिन ग्रुप-बी में बांगलादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी आमने-सामने होंगी। दोनों मुकाबले पूर्वाह्न १०.३० बजे शुरू होंगे। श्रीलंका-मलयेशिया मैच ओसीए ग्राउंड-दो और बांगलादेश-अफगानिस्तान मैच ओसीए ग्राउंड-एक पर खेला जायेगा। पाकिस्तान मौजूदा चैम्पियन है। पिछले सीजन के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को १९१ रन से हराकर खिताब जीता था। यह पाकिस्तान का अंडर-१९ एशिया कप में दूसरा खिताब था। भारत ने अंडर-१९ एशिया कप के आठ खिताब १९८९, २००३, २०१२, २०१३-१४, २०१६, २०१८, २०१९ और २०२१ में जीते हैं। २०१२ में भारत और पाकिस्तान संयुक्त विजेता रहे थे। बांगलादेश ने २०२३ और २०२४ में लगातार दो खिताब जीते जबकि अफगानिस्तान २०१७ में पहली बार चैम्पियन बना।

अण्डर-१९ एशिया कप का कार्यक्रम घोषित

साई बीएचयू को नौ स्वर्ण सहित १८ पदक

वाराणसी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की बालिकाओं ने बेहतरीन खेलका प्रदर्शन करते हुए लखनऊ के गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज में हुई स्टेट जूनियर अथलेटिक्स चैम्पियनशिप में विभिन्न आयु वर्ग में नौ स्वर्ण सहित १८ पदक जीते। पीला तमगा हासिल करनेवालों में खुशी पटेल (लांग जम्प और १०० मीटर बाधा दौड़), अपूर्व गुर्जर (हेप्टा थलान), गुंजन यादव (१०० मीटर बाधा दौड़), पलक यादव (लांग जम्प और ८० मीटर बाधा दौड़), सेजल यादव (पेंटाथलान), अनन्या पाण्डेय (ट्रायथलान) शामिल रहीं जबकि गुंजन यादव (ऊंची कूद), सृष्टि मौर्य (८० मीटर बाधा दौड़), अंकित प्रजापति (पेंटाथलान), अन्नु कुमारी (ट्रायथलान और जैबलिन) ने रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक पानेवालों में नंदिनी पटेल (लांग जम्प), काजल कुमारी (१०० मीटर बाधा दौड़), सोनी यादव (ऊंची कूद), सेजल यादव (जैबलिन थ्रो) शामिल रहीं।

वाराणसी मण्डल का जीत से आगाज



वाराणसी। रफ्तार, विंग से सटीक आक्रमण और मजबूत दीवारके रूप में खड़ी गोलकीपर के दम पर वाराणसी मण्डल ने चित्रकूट में गुरुवारसे शुरू प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हैण्डबाल प्रतियोगितामें बस्ती मण्डलको १४-८ से पराजित कर विजयी आगाज किया। राष्ट्रीय खिलाड़ियोंसे सुसज्जित वाराणसी मण्डलकी टीम ने शुरुआत से ही तेज और आक्रामक खेल दिखाया। वंशिका प्रजापति और मानसी यादव ने लेफ्ट विंग से लगातार हमले बोले जिससे बस्ती मण्डलकी टीम दबाव में आ गयी और ०-३ से पीछे हो गयी। हालांकि बस्ती मण्डलने काउंटर के जरिये वापसी की कोशिश की लेकिन उनके सामने विजेता टीम की गोलकीपर सेजल सिंह दीवार बनकर खड़ी रहीं। पहले हाफ में वाराणसी ने ८-४ की मजबूत बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में रितिका प्रजापति और तनु विश्वकर्मा ने कमान संभाली और बस्तीके डिफेंस लाइन में बनी कमजोरियों को पहचान कर लगातार हमले किये जिसका परिणाम रहा कि वाराणसी ने अंतिम सिटी बजनेके साथ मुकाबला १४-८ से अपने पक्षमें कर लिया। वाराणसीके लिए मानसी यादव ने तीन, रितिका प्रजापति, पूजा, नैंसी यादव, वंशिका प्रजापति और नैंसी ने दो-दो गोल किये जबकि तनु विश्वकर्मा ने एक गोल दागा।

सब जूनियर बालिका हैण्डबाल बस्ती को १४-८ से हराया

स्टेफानोस सिटसिपास दूसरे दौर में

शंघाई (एजेन्सियां)। स्टेफानोस सिटसिपास ने गुरुवार को यहां शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। सिटसिपास ने क्वलीफायर किमर कोप्पेजंस को ६-३, ७-५ से हराया। सिटसिपास का हाल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। जापान ओपन में वह दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाये थे जबकि अमेरिकी ओपन में चौथे दौर में बेन शेल्टन से हार गये थे। इस बीच आस्ट्रेलिया के बर्नार्ड टामिक ने शंघाई में क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में कजाकिस्तान के टिमोफे स्केटोव को ७-५, ६-४ से हराकर शीर्ष स्तर के टूर्नामेंट में वापसी की।

सिंधू क्वार्टर फाइनलमें

वांता (एजेन्सियां)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां जापान की रिको गुनजी को हराकर आर्कटिक ओपन सुपर ५०० बैडमिण्टन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि पुरुष एकल खिलाड़ियों का इस पांच लाख डालर इनामी प्रतियोगिता में अभियान समाप्त हो गया। हैदराबाद की ३१ वर्षीय सिंधू ने दूसरे दौर के मुकाबले में गुनजी को २१-१५, २१-१५ से हराया। सिंधू ने जुलाई में जापान ओपन सुपर ७५० का खिताब जीता था। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी का सामना अब शीर्ष वरीय और पूर्व विश्व चैम्पियन थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से होगा। हालांकि थारुन मान्नेपल्ली और तन्वी शर्मा के लिए दिन निराशाजनक रहा और दोनों को अपने एकल मुकाबलों में सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रंस के क्रिस्टो पोपोव ने मान्नेपल्ली को २१-१४, २१-१९ से हराया जबकि रतचानोक ने तन्वी को एकतरफा मुकाबले में २१-१८, २१-७ से शिकस्त दी।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026

मेष- स्वनिर्णय लाभकारी, आकस्मिक लाभ, सुसमाचार की प्राप्ति, निराशा का समापन।
वृषभ- व्यापार में नवपरिवर्तन, सलाह से कामयाबी, उच्चाधिकारियों से संपर्क, शत्रु परास्त।
मिथुन- मानसिक बेचैनी, गलतफहमी के शिकार, विपरीत घटनाएं घटित, लाभ में कमी।
कर्क- धनसंचय में रुचि, मंगल आयोजन संपादित, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि, यात्रा सार्थक।
सिंह- शुभकार्य संपन्न, कठिनाइयों का निराकरण, दाम्पत्यजीवन सुखद, कर्ज की अदायगी।
कन्या- समय भाग्य पक्ष में, धनागम का सुयोग, परिजनों का सहयोग, प्रसन्नता का वातावरण।
तुला- कार्यक्षमता में कमी, प्रतिष्ठा पर आघात, इच्छापूर्ति में बाधा, राजकीय पक्ष से उलझनें।
वृश्चिक- परिश्रम से सफलता, प्रेमसम्बन्धों में मधुरता, घरेलू वातावरण सुखद, यात्रा से खुशी।
धनु- व्यवसाय में धननिवेश, नवसम्पर्क उपयोगी, मानसम्मान में वृद्धि, धार्मिक यात्रा, सुखद।
मकर- जनकल्याण में रुचि, आर्थ